>

Title: Situation arising out of lack of storage facilities for foodgrains in the country.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): चन्द्रशेखर राव जी, आपकी जो समस्या है, उसका हम समर्थन करते हैं, लेकिन इसके पांच मिनट बाद आप इसे कर लीजिए। सरकार को भी इनकी बात का जवाब दे देना चाहिए।

अध्यक्षा जी, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि आज देश में जो उत्पादन है, वह पिछले तीन वर्ष से हिन्दुस्तान के किसान को छोड़कर देश में हर चीज़ का उत्पादन ठप्प हो गया है, इण्डस्ट्रियल स्लो डाउन हो गया, जी.डी.पी. नीचे चली गई, लेकिन इस बार जो रिकार्ड उत्पादन हुआ है, वह 10.34 करोड़ टन पैंडी का हुआ है, गेहूं का 9.02 करोड़ टन हुआ है और दाल का 1.70 लाख टन हुआ है यानि देश में इस बार बम्पर क्रॉप है। देश में जो आपका स्टाक है, वह 52 लाख टन अभी है और इस देश में जो फसल आने वाली है, वह 770 लाख टन आने वाली है। अब आप बताइये कि अभी जो अनाज रखा हुआ है और जो फसल आई हुई है, उसकी खरीद के लिए कहीं भी कोई चीज़ भी हुई? खरीद के मामले में सड़कों पर गाड़ियां खड़ी हैं, अनाज बाहर सड़ रहा है और आज ऐसी स्थिति है कि आप रास्तों में जहां गेहूं के इलाके हैं, पंजाब त्राहिमाम है, मध्य प्रदेश त्राहिमाम है, उत्तर प्रदेश त्राहिमाम है और बिहार त्राहिमाम है। सारे देश में गेहूं का उत्पादन वाले किसान सबसे ज्यादा मेहनत करके फसल पैदा करते हैं। इस देश में कोई दूसरा नहीं है, जो तीन वर्ष से ऐसा इस देश में काम कर रहा है, हिन्दुस्तान का किसान ज्यादा काम कर रहा है।

12.09 hrs

At this stage, Shri K. Chandrasekhar Rao and

Shrimati M. Vijaya Shanthi went back to their seats

आज पूरा देश आपसे कहना चाहता है कि एक दूसरे पर आप जिम्मेदारी मत टालिये, आप यहां तत्काल वार रूम खोलिये। आज देश भर में सरकारी खरीद की दिक्कत है, बोरियां नहीं हैं। आपका कहीं भी मार्केट ठीक काम नहीं कर रहा है। पंजाब में आपका मार्केट ठीक काम कर रहा है, प्रिक्योरमेंट ठीक काम कर रहा है, लेकिन वे उसे कहां रखें, वे कहां जायें, अनाज सड़ रहा है और देश भर आज त्राहिमाम है। तीन वर्ष से सबसे ज्यादा उत्पादन किसान ने किया, दादा बताओ, कौन सी चीज़ है, जो आपके बाजार के चलते इस देश में उठी हो। अकेले हिन्दुस्तान की सदियों पुरानी किसान की परम्परा है, उसके चलते इस देश में तीन वर्ष से हिन्दुस्तान में बम्पर क्रॉप हो रही है, इतना उत्पादन हो रहा है कि रखने की जगह नहीं है।

हमारे जमाने में क्राइसिस आया तो मैंने कई उपाय किये। सारे देश में महंगाई को रोकने के लिए पांच वर्ष मैं डिपार्टमेंट में बैठा रहा। सारे अनाज जो पड़े हुए थे, उनको मैंने कई रास्ते से, सूखे के इलाके में सस्ता अनाज करके, फूड फार वर्क में दिया और जो बच गया उसको एक्सपोर्ट किया। किसी तरह से अनाज का जो स्टोरेज है, उसको बढ़ाने का काम करें। अभी बिहार में हमने पचास-पचास फीसदी स्टोरेज के लिए सब्सिडी दी है। आपने पहले स्टोरेज के लिए सब्सिडी दी। किसी किसान को वर्ष 2009 से सब्सिडी का एक पैसा नहीं मिला। कहां से यह बढ़ेगा, कहां से यह होगा? आपके पास स्टॉक करने की 19 फीसदी कैपेसिटी है। आप अनाज कहां रखेंगे? जो अनाज भरा हुआ है, उसे कहां निकालेंगे, कहां क्या होगा? त्राहिमाम मचा हुआ है और त्राहिमाम ऐसा है कि हम लोग निकल नहीं सकते हैं, कहीं जा नहीं सकते हैं। कोई कहता है कि बोरी नहीं है, इलाहाबाद में पूछ, तो कहते हैं बोरी नहीं है। इनके यहां कहते हैं कि खरीद नहीं है। बिहार के लोग कहते हैं कि खरीद का कहीं कोई रास्ता नहीं बन रहा है। आप बताइये, सब लोग पीछे चले गये हैं, इंडस्ट्री पीछे चली गयी है, बाजार में जीडीपी भी पीछे चला गया है, लेकिन अकेला अनाज है और अनाज को रखने की जगह नहीं है। लोग भूखे मर रहे हैं, आप कोई रास्ता नहीं ढूंढते हैं। आप क्यों नहीं वार रूम खोल रहे हैं? जो सबसे बड़ी समस्या है, उसके लिए आपका एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट, फूड डिपार्टमेंट है, आप कमेटी क्यों नहीं बना रहे हैं, क्यों नहीं वार रूम खोल रहे हैं? कौन सरकार है, उसके बारे में क्यों ट्रंसपेरेंसी नहीं की जा रही है? राज्य सरकार कह रही है कि बैग नहीं दिए, जबकि ये कह रहे हैं कि हमने दिए। ऐसे में किसान क्या करेगा? कोई इन्फार्मेशन नहीं है, देश तो तबाही की कगार पर खड़ा हो गया। यह तबाही ऐसी होगी, क्योंकि ये ऐसे लोग हैं जो घर नहीं बैठेंगे। आप समझ लीजिए कि देश में चारों तरफ हाहाकर है, यहां बरसात हो रही है और इन्वायर्नमेंट डिपार्टमेंट कहता है कि खुशनुमा हो जाएगा दिल्ली का वातावरण। चार सौ किलोमीटर दूरी पर जो अनाज पैदा हुआ, वह चौपट हो गया, वह गीला हो गया, उसको रखने की जगह नहीं है। आप अपनी सरकारी एजेंसी से यह कहते हैं कि दिल्ली खुशनुमा हो जाएगी। यह खुशनुमा हो जाएगी और देश भूखों मर जाएगा। जिस तरह से मामले उठ रहे हैं, उस मामले में हिंदुस्तान की जो अस्सी फीसदी आबादी है, वह आज ऐसी हालत में पहुंच गयी है कि उसकी बात कोई सुनने वाला नहीं है। इस संसद में मामला उठाइए, तो कोई दो सवाल का जवाब देने को तैयार नहीं है। आज चारों तरफ अजीब से अजीब काम चल रहे हैं।

हिंदुस्तान में अकेले किसान ने, कोई दूसरा नहीं अकेले किसान ने सबसे ज्यादा पैंडी पैदा किया, सबसे ज्यादा गेहूं पैदा किया। इस साल दाल एक लाख सत्तर हजार टन पैदा हुयी है। सारा अनाज, सारी जो आपने योजना बनायी, इससे उत्पादन बढ़ा, मैं आपकी बात मान लेता हूं, उत्पादन बढ़ा है, तो क्या इसके लिए वार रूम नहीं खोलना चाहिए, इसके लिए क्या तत्काल व्यवस्था नहीं होनी चाहिए? प्रणव बाबू, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण चीज कोई नहीं है, इससे ज्यादा बड़ा सवाल कोई नहीं है। इसके लिए तत्काल सरकार को वार रूम खोलना चाहिए। इस अनाज का क्या किया जाए, इस पर कैबिनेट को तत्काल फैसला करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करेगी, तो हिंदुस्तान में बहुत तबाही मचेगी। आपको पता है कि खेत में अनाज आ गया और बरसात के चलते चौपट हो गया। खलिहान में फसल आ गयी, वहां चौपट हो गयी। किसान बाजार जा रहा है, तो उससे कोई उसकी फसल लेने को तैयार नहीं है। कोई कहता है कि बोरी नहीं आयी, कोई कहता है कि इलाहाबाद में बोरी नहीं है। मध्य प्रदेश मैंने बहुत पहले काम किया, यहां का फूड मिनिस्टर कहता है कि उनका इलाका पैंडी का है, यह इलाका गेहूं का है। इस सारे इलाके में जो उत्पादन है, आप तो खुद जानती हैं कि आपका जो जिला है, वह पंजाब के बराबर उत्पादन करता है, चाहे गेहूं हो या धान हो। हमारा इलाका सबसे ज्यादा गेहूं पैदा करता है। मेरे नैटिव जिला होशंगाबाद में पंजाब के हर जिले के बराबर अनाज पैदा होता है। आप यह बताइए कि किसान कहां जाए, वह क्या करे, किसके पास जाए?

प्रणव बाबू, आप सदन में उपस्थित हैं, मैं आपसे विनती करना चाहता हूं कि यह इस देश के किसान का हाहाकार है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप तत्काल कोई समय गंवाये बगैर यदि इस सवाल को हल नहीं किए, तो किसानों में आक्रोश बढ़ेगा। मैं सारे सवालों को कैसे रखूं, मैं सारी तैयारी करके आया हूं, लेकिन मैं क्या-क्या बात रखूं, क्या-क्या करूं? पंजाब आज इस तरह की स्थिति में है कि वहां सरकार नहीं चल पाएगी। आप की सरकार भी नहीं बचेगी। आप समझ लीजिए कि किसान का दर्द और उसकी तकलीफ है तो वह बगावत करता है। सबसे पहले वही बगावत करता है और वह बगावत टिकाऊ होती है। यह बगावत ऐसी नहीं होती है जैसे शहरों में होती है। वह टिकाऊ होगी। वे मरने से कभी नहीं डरते हैं। आत्म हत्या हो रही है। आप के किसान की फसल लूट रही है। उनकी फसल कोई खरीदने वाला नही है और यहां खुशनुमा वातावरण बन रहा है। मौसम विभाग कह रहा है कि दिल्ली खुशनुमा हो गई। चार सौ किलोमीटर में सारे किसान की फसल तबाह

और चौपट हो गई। आप बाहर मुंह नहीं खोलते हैं। आपको मालूम है कि ये समस्याएं दो वर्ष से चल रही हैं। आपको मालूम है कि अठारह करोड़ रूपये का अनाज पिछली बार सड़ गया। इस बार तो पूरा अनाज सड़ जाएगा। अनाज रखने के लिए कोई जगह नहीं है। आप अनाज बाहर रखिए यदि बच जाए तो मुझे कह दीजिए। भूख का हाहाकार होगा। अनाज का हाहाकार होगा। कोई रास्ता जल्दी निकलिए और फिर मैं कहता हूं कि उसके लिए वहां वार रूम तत्काल खोलिए इसके सिवा कोई रास्ता नहीं है। मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अपने नाम इनके विषय के साथ संबद्ध करने के लिए भेज दीजिए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कुछ भी रिकार्ड मे नही जाएगा।

...(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदया :

श्री विश्व मोहन कुमार,

श्री पन्ना लाल पुनिया,

श्री गणेश सिंह,

श्री कीर्ति आजाद,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री विरेन्द्र कुमार,

श्री राम सिंह कस्वां,

श्री सुरेश अंगड़ी,

श्री शिवराम गौड़डा,

श्री प्रहलाद जोशी,

श्री शैलेन्द्र कुमार,

श्री प्रेमदास,

श्री रेवती रमण सिंह,

श्री बृजभूषण शरण सिंह,

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल,

डॉ. रतन सिंह अजनाला,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण,

डॉ. रत्ना डे,

डॉ. एम. तम्बिदुरई,

डॉ. मिर्ज़ा महबूब बेग,

श्री मनोहर तिरकी,

श्री जगदम्बिका पाल,

श्री एस. सेम्मलई,

श्री दिनेश चन्द्र यादव, अपने आप को श्री शरद यादव जी के द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री जयप्रकाश अग्रवाल।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको फिर बुला लेते है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री नारनभाई कछाड़िया ।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: It is not a discussion. अभी चर्चा नहीं हो रही है। यह जीरो आवर है। We are not having a discussion. अभी वह इतने अच्छे से इस पर बोल दिए। उन्होंने इस पर प्रकाश डाल दिया।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

(Interruptions) *

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): शरद जी ने जो विषय यहां रखा, आपको याद होगा कि यही विषय तीन दिन पहले मैंने मध्य प्रदेश के संदर्भ में उठाया था। आज इसे पूरे देश के संदर्भ में शरद जी ने उठाया है। किसान गेहूं उगाए तो स्टोरेज नहीं, धान उठाए तो समर्थन मूल्य नहीं, कपास उगाए तो उसे निर्यात की अनुमति नहीं, आलू उगाए तो सड़कों पर फेंकने को मजबूर हैं।

लेकिन इतना महत्वपूर्ण विषय होने के बाद सरकार से रिस्पांस मांगा था। सरकार का रिस्पांस देना तो दूर, नेता सदन , सदन छोड़कर ही चले गये। ...(व्यवधान) हम लोगों को समझ में नहीं आ रहा कि हम यहां बैठकर क्या करें? अगर नेता सदन छोड़कर चले गये और हमारी बात का यहां जवाब भी नहीं आना, तो फिर हमारे पास कोई दूसरा रास्ता नहीं है। ...(व्यवधान) हम इस विषय पर बहिर्गमन करते हैं। ...(व्यवधान) हम भी सदन छोड़कर जाते है।

12.25 hrs

Shrimati Sushma Swaraj, Shri Sharad Yadav, Shri Basu Deb Acharia, Shri Lalu Prasad and some other hon. Members then left the House.

â€¦(व्यवधान)